प्रेस विज्ञप्ति

मातृ जयंती पर बस्ती में विशाल सत्संग समारोह सम्पन्न

बस्ती (उ.प्र.)। परमपूज्य श्री भोले जी महाराज एवं माताश्री मंगला जी के सानिध्य में हंस कल्चरल सेंटर द्वारा माताश्री राजेश्वरी देवी की पावन जयंती 6 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से सायं 6 बजे तक बस्ती जिले ग्राम-महुआडाबर के भुइलाडीह प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में विशाल सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु-भक्त तथा संत-महात्मा शामिल हुए। कार्यक्रम संस्था के प्रचारक श्री मंगल जी की प्रार्थना पर रखा गया था।

माताश्री मंगला जी ने पंडाल में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मनुष्य का शरीर बड़े भाग्य से मिलता है। मनुष्य योनि में जन्म लेना देवताओं के लिए भी दुर्लभ बताया गया है। इस शरीर में जन्म लेकर जब मनुष्य सत्संग सुनता है तथा ईश्वर के सच्चे नाम को जानकर खूब भजन-सुमिरण करता है तभी उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि चौरासी लाख योनियों में मनुष्य योनि केवल इसलिए सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है क्योंकि इसमें व्यक्ति सांसारिक भोगों का उपभोग भी कर सकता है और सदगुरु महाराज से आत्मज्ञान को जानकर भजन-सुमिरण के द्वारा अपने जीवन का कल्याण भी कर सकता है।

माता श्री मंगला जी ने माताश्री राजेश्वरी देवी का भावपूर्ण स्मरण करते हुए कहा कि वैसे तो दुनिया में प्रतिदिन हजारों लोग जन्म लेते हैं लेकिन जयंतियां केवल उन्हीं महापुरुषों की मनाई जाती हैं जिन्होंने अज्ञानता के अंधकार में भटक रहे लोगों को आत्मज्ञान देकर उनके जीवन में उजाला कर दिया। यद्यपि आत्मज्ञान का प्रचार-प्रसार करते हुए माताश्री राजेश्वरी देवी को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने कभी भी सत्य और धर्म के मार्ग को नहीं छोड़ा।

माता श्री मंगला जी ने कहा कि हमारे जीवन में सदगुरु का बहुत बड़ा महत्व है। जिस तरह अंधेरी रात में सारी रोशनी फीकी पड़ जाती है लेकिन जब सुबह सूर्य भगवान उगते हैं तो चारों तरफ उजाला हो जाता है। इसी तरह सदगुरु महाराज व्यक्ति के अन्दर आत्मज्ञान की ज्योति जलाकर उसका अज्ञानरूपी अंधकार मिटा देते हैं। समारोह में क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने श्री भोले जी महाराज तथा माताश्री मंगला जी को विशाल पुष्पमाला पहनाकर उनका हार्दिक स्वागत किया।

(बी.के. त्यागी)
श्री हंसलोक आश्रम,
नई दिल्ली